

গল্প বলা, গান, চরিত্রে অভিনয় এবং নাটক: নিম্ন প্রাথমিক বিজ্ঞান

বাংলা (হিন্দি-র সাথে)

ধারাবিবরণী:

এই পাঠে, একজন প্রাথমিক শিক্ষিকা কল্পনাকে কাজে লাগিয়ে গল্প বলছেন, যাতে শিক্ষার্থীরা তাদের শারীরগত অভিযোজন বা খাপ খাওয়ানো সম্পর্কে বুঝতে পারে।

গল্পটি এভাবে শুরু হল, জোজো নামের ছেলেটি একটি পুকুরে স্নান করছে।

শিক্ষিকা: অচানক! অচানক, পতা है क्या हुआ? अचानक इसको, एक ऐसा जानवर दिखाई पड़ा, जिसको इसने कभी देखा ही नहीं था! मतलब, कभी इसके बारे में कुछ, सुना...

ধারাবিবরণী:

শিক্ষিকা একটি আজব প্রাণীর বর্ণনা দেন যেটি ঐ পুকুরে স্নান করছে।

শিক্ষিকা: का शरीर तो, बिलकुल अजीब-सा था! ये था वो जानवर! कैसा था ये जानवर? क्या दिख रहा है, इस जानवर में?

इसका मुँह जो है, वो मछली की तरह था! मुँह कैसा था?

শিক্ষার্থীগণ: मछली की तरह!

শিক্ষিকা: और इसकी body जो थी, वो घोड़े की तरह थी! किसकी तरह?

শিক্ষার্থীগণ: घोड़े की तरह!

শিক্ষিকা: और इसकी पूँछ भी, किसी दूसरे जानवर की तरह थी! इस जानवर को जब उसने देखा, तो डर के कारण, उसकी हालत...

ধারাবিবরণী:

লক্ষ্য করুন যে, শিক্ষিকা সমস্ত ছাত্র-ছাত্রীকে ছোট ছোট ছবিগুলি দেখানোর জন্য সারা ক্লাস ঘুরে বেড়াচ্ছেন।

শিক্ষিকা: ये जानवर, तालाब के बाहर गिर गया! और थोड़ी देर तड़पने के बाद, मर गया!

ধারাবিবরণী:

শিক্ষিকা তার শিক্ষার্থীদের এই সম্পর্কে চিন্তাভাবনা করতে বলেন যে, আজব প্রাণীটি জল থেকে ডাঙায় আসার পর কেন মরে গিয়েছিল।

শিক্ষার্থী ১: क्योंकि इसका मुँह मछली की तरह था!

শিক্ষিকা: मछली की तरह मुँह होने से क्या मतलब? क्यों मर गया ये?

শিক্ষার্থী ১: ये साँस नहीं ले पा रहा था।

শিক্ষিকা: अच्छा, साँस नहीं ले पा रहा था! तो मछली कैसे साँस लेती है?

शिक्षार्थी १: गलफड़ें।

शिक्षिका: गलफड़ों से। और ये जानवर कहाँ पे दौड़ रहा था?

शिक्षार्थी १: जमीन पर।

शिक्षिका: जमीन पर साँस, हम किससे लेते हैं?

शिक्षार्थीगण: फेफड़ों से।

शिक्षिकার साक्षात्कार:

আমি জানতাম যে, আমার পড়ুয়ারা ইতিমধ্যেই যার যার পরিবেশে বসবাসকারী স্বাভাবিক প্রাণীগুলি সম্পর্কে জানে, সেজন্য আমি দুই বা তিনটি প্রাণীর বৈশিষ্ট্যকে মিশিয়ে একটি ভিন্ন ধরনের প্রাণী তৈরী করে তাদেরকে ভাবিয়ে তুলতে চেয়েছিলাম। বিভিন্ন বৈশিষ্ট্য সম্পন্ন প্রাণীগুলিদের নিয়ে একটা কোলাজ তৈরী করে শিক্ষার্থীদের অবাক করে দিয়েছি। আমি কিছু প্রশ্নও তৈরী করেছিলাম যাতে পড়ুয়ারা এই প্রাণী গুলিকে তাদের পরিবেশ থেকে সরিয়ে আনলে কি হতে পারে তা ভাবতে থাকে এবং বুঝতে পারে। আমি আমার শিক্ষার্থীদের বিশ্লেষণ ক্ষমতার বিচার করতে চেয়েছিলাম।

ধারাবিবরণী:

গল্পটি চলাকালীন, শিক্ষিকা তার শিক্ষার্থীদের 'খোলা' প্রশ্ন করেছেন।

শিক্ষার্থীরা অভিযোজনের ধারণাটি কিভাবে ক্রমশ আরো বুঝতে পারছে তার মূল্যায়নে তাদের উত্তরগুলি শিক্ষিকা কে সাহায্য করছে।

शिक्षिका: क्यों मर गया ये जानवर?

शिक्षार्थी २: क्योंकि, उसकी त्वचा मोटी नहीं थी, और...

ধারাবিবরণী:

শিক্ষিকা একজন একজন করে পড়ুয়াদের প্রাণীদের বিভিন্ন পরিবেশে বেঁচে থাকার সহায়ক বিভিন্ন বৈশিষ্ট্য সম্পর্কে জিজ্ঞাসা করছেন।

शिक्षिका: किसमें पाई जाती हैं?

शिक्षार्थी २: पहाड़ी जन्तुओं में।

शिक्षिका: और ये तीनों चीज़ें, जिन जन्तुओं में पाई जाती हैं, उनको क्या फ़ायदा होता है?

शिक्षार्थी २: Ma'am, वो ठण्ड से बच जाते हैं।

शिक्षिका: बच्चों, हमने जो story सुनी अभी, उससे क्या हमने सीखा?

आकांक्षा, बताओ।

शिष्यार्थी ७: जानवर जहाँ के होते हैं... वो अगर, गरम जगह पर जाएँगे, तो वो मर जाएँगे!

शिषिका: अच्छा।

शिष्यार्थी ७: अगर ठण्डी जगह के, गरम जगह पर चले गये, तो वो खत्म हो जाएँगे!

शिषिका: ठण्डी जगह के - गरम जगह पर चले गए, तो क्या होगा?

शिष्यार्थी ७: मर जाते हैं।

शिषिका: मर जाते हैं। क्यों मर जाते हैं?

शिष्यार्थी ७: क्योंकि ma'am, अपनी अपनी जगह पे ढाल लेते हैं अपनेआप को।

शिषिका: अच्छा, अपनी अपनी जगह पर...

धाराविवरणी:

गल्लगुलर ब्यवहार पढुयादेर वैज्ञानिक धारणागुलिते नियोजित करार एकटि सृष्टिशील उपाय हिसेबे काजे लेगेछे।

एहि शिषिका एहि शिखन पद्धति कि भावे तैर्री करते पारेन याते समस्त पढुयारा गल्लटि ओ तार धारणागुलि निये आलोचनार सुयोग पेते पारे?